

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
(हरिद्वार/उधमसिंह नगर को छोड़कर)
उत्तरांचल

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 03 नवंबर, 2006

विषय:-वित्तीय वर्ष 2006-07 में न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान (एस0सी0पी0) के अंतर्गत नई / चालू ग्रामीण पेयजल योजनाओं तथा एफ0सी0 बस्तियों की पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उत्तरांचल पेयजल निगम मुख्यालय के पत्रांक 2736/धनावटन प्रस्ताव/दिनांक 15.07.2006 एवं पत्र संख्या 3481/धनावटन प्रस्ताव/ दिनांक 05.09.06 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान) के अंतर्गत संलग्न विवरणानुसार सम्बन्धित जनपदों की नई एवं चालू पेयजल योजनाओं के कियान्वयन हेतु रु0 743.23 लाख (रु0 सात करोड़ तैंतालीस लाख तेईस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्बतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण सम्बन्धित जनपद में, उत्तरांचल पेयजल निगम के नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी, के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल सम्बन्धित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकतानुसार पूर्व में अवमुक्त धनराशि के पूर्ण उपभोग के उपरान्त ही किया जायेगा तथा आहरण के सम्बन्ध में बिल वाउचर एवं दिनांक की सूचना आहरण के तुरन्त बाद शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

3- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उ0 प्र0 शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश सं0-ए-2-87(1)/दस-97-17(4)/275 दिनांक 27-2-97 के अनुसार सैन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि में सैन्टेज चार्ज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इसका कृपया कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणन में सैन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।

कमश..2

संख्या 1569 (1)/उन्तीस(2)/06-2 (69पे0)/2006, तददिनांक

प्रतिलिपि: निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद
- 3- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
- 5- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 6- मुख्य अभियन्ता (गढ़वाल/कुमायूँ) उत्तरांचल पेयजल निगम।
- 7- सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता, उत्तरांचल पेयजल निगम, संबंधित जनपद
- 8- वित्त अनुभाग-2/रा0यो0आयोग/वित्त बजट सैल/समाज कल्याण (नियोजन प्रकोष्ठ)उत्तरांचल शासन।
- 9- संयुक्त विकास आयुक्त गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल।
- 10- आयुक्त ग्राम्य विकास, उत्तरांचल।
- 11- संबंधित अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, उत्तरांचल पेयजल निगम, संबंधित जनपद।
- 12- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 13- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, मा0मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 14- स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
- ✓ 14- निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाईल।

संलग्न यथोक्त

आज्ञा से,

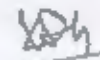
(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव

25/10/06

	36	पटामे-नाथर कुमडार	27.94	18.94
	37	गुली गाँव-आमटाना हररिया	17.46	15.46
घम्पावत	38	मैलाना जाख पे०यो०	28.23	20.73
	39	चौडा गूँठ मल्ली	15.73	08.56
अल्मोडा	40	ग्लाडमल्ला पे०यो०	49.80	09.80
	41	बनौडा (मलाडी) पे०यो०	67.25	06.80
	42	नागजोशी	06.26	04.26
	43	सरोल गूँठ	12.32	10.32
	44	टानी	10.71	08.71
	45	बगन गाँव	07.27	05.27
	46	नैकाना	14.04	12.04
	47	नैनीतल्ला	24.46	14.49
बागेश्वर	48	भैरुडीपार पे०यो०	16.87	09.37
	49	मल्ला मढखेत	11.85	09.85
नैनीताल	50	खैराड पे०यो०	18.12	07.95
	51	भट्टरी	26.00	24.00
नई पेयजल योजनायें				
विधौरागढ़	52	फागती लौधियागैर (भासौ)पे०यो०	99.26	31.70
	53	किमखोला पे०यो०	40.00	14.38
		योग:-		743.23

(रु० सात करोड़ तैंतालीस लाख तेईस हजार मात्र)


(कुंवर सिंह)
अपर सचिव

- 4- उक्त स्वीकृत धनराशि से संलग्नक में उल्लिखित ग्रामीण पेयजल योजनाओं का क्रियान्वयन उत्तरांचल पेयजल निगम द्वारा किया जायेगा।
 - 5- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके संबंध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है।
 - 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हैंडबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की दैनिकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 - 7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।
 - 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा जिनके लिये धनराशि स्वीकृत की गई है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय। यदि ऐसा होना पाया जाता है तो इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का होगा।
 - 9- योजनाओं को त्वरित गति से दिनांक 31.03.07 तक पूर्ण कर पूर्व धनराशि का उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति योजनावार मासिक रूप से शासन को सूचित की जायेगी।
 - 10- अवमुक्त की जा रही धनराशि के कम से कम 80 प्रतिशत वित्तीय प्रगति के पश्चात ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
 - 11- स्वीकृत योजनाएँ इसी लागत में पूर्ण की जायेगी किसी भी दशा में योजनाओं की अनुमानित लागत बढ़ने का कारण मान्य नहीं होगा।
 - 12- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-30 के लेखाशीर्षक-2215-जलापूर्ति तथा सफाई 01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान- 91-ग्रामीण पेयजल योजना तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
 - 13- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-1017/XXVII(2)/2006, दिनांक 30 अक्टूबर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक- यथोक्त

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव